केदारनाथ धाम में वर्षों से लगे ताले पर भड़का संत समाज

कलेक्टर बोले- जर्जर चट्टानें बन सकती हैं हादसे का सबब, शिवलिंग को अन्य जगह स्थापित करने का विकल्प सुझाया

नवभारत न्यूज

गुना 20 जन. का। जिले के प्रसिद्ध और प्राचीन आस्था का केंद्र श्री केदारनाथ मंदिर पिछले लंबे समय से आम श्रद्धालुओं के लिए बंद पड़ा है, जिसे लेकर अब संत समाज का धैर्य जवाब दे गया है। मंगलवार को भुजरिया तालाब स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर के संत राघवेंद्र दास महाराज के नेतृत्व में संतों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर आक्रोश व्यक्त किया और मंदिर के पट जल्द खोलने की मांग को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

इस मांग को जिला पंचायत के वार्ड क्रमांक 5 की सदस्य सावित्री दामोदर प्रसाद शर्मा ने भी अपना समर्थन देते हुए पृथक से आवेदन दिया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि केदारनाथ धाम का पूरा क्षेत्र भौगोलिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील है। उन्होंने बताया कि करीब डेढ़ साल पहले भोपाल की एक विशेषज्ञ टीम ने यहां का विस्तृत सर्वे किया था, जिसकी रिपोर्ट वन विभाग को भी भेजी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, मंदिर परिसर के आसपास की चट्टानें वर्षों पुरानी और जर्जर हो चुकी हैं, जिनसे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

इसी सुरक्षा कारण से मंदिर में प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है और आगामी महाशिवरात्रि पर भी श्रद्धालुओं के लिए ऊपर ही लाइव दर्शन की व्यवस्था की गई है।

शिवलिंग को शिफ्ट करने का विकल्प!

कलेक्टर ने ज्ञापन देने आए संतों के सामने एक महत्वपूर्ण विचार भी रखा। उन्होंने कहा कि चूंकि वर्तमान स्थान असुरक्षित है, इसलिए क्या धार्मिक प्रक्रियाओं और शास्त्र सम्मत विधान के जरिए शिवलिंग को किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जा सकता है? कलेक्टर ने इस गंभीर विषय पर संत समाज से विचार करने और कोई बीच का रास्ता निकालने की गुंजाइश तलाशने का आग्रह किया है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मंदिर क्षेत्र को सुरक्षित बनाने के लिए बड़े स्तर पर कार्य कराने की आवश्यकता है, जिसकी प्रक्रिया वर्तमान में जारी है।

संतों की दो टूक: 'जल्द खुलें पट'

वहीं दूसरी ओर, ज्ञापन देने पहुंचे संतों ने वर्षों से पट बंद होने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। संतों का कहना है कि केदारनाथ धाम हजारों लोगों की आस्था से जुड़ा है और इसे इस तरह अनिश्चितकाल के लिए बंद रखना अनुचित है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम जल्द पूरे किए जाएं और मंदिर के पट आम जनता के लिए खोल दिए जाएं। संतों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे अपने विरोध को और तेज करेंगे।

बड़ी चट्टान है बड़ा खतरा

प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि महोदरा ग्राम पंचायत अंतर्गत स्थित केदारनाथ गुफा की वर्तमान परिस्थिति बेहद जर्जर हो चुकी है। गुफा के अंदर एक बड़ी चट्टान बेहद खतरनाक स्थिति में आ चुकी है। अगर यह गिरती है तो बड़ा हादसा हो सकता है। लिहाजा प्रशासन कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता है।

पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी ने जनसुनवाई में सुनीं आमजन की समस्याएं

नवभारत न्यूज

गुना। पुलिस-जन संवाद को सशक्त करने और नागरिकों की समस्याओं के प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से आज पुलिस कंट्रोल रूम में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आवेदकों से सीधा संवाद कर उनकी शिकायतों को सुना और उनके त्वरित व पारदर्शी निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आए प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता दिखाते हुए अंकित सोनी ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध जांच के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पीड़ितों को न्याय दिलाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आवेदनों में मुख्य रूप से कई मुद्दे शामिल रहे। इनमें अपराध संबंधी जांच, पारिवारिक और भूमि विवाद, साइबर अपराध और धमकी/मारपीट के मामले, सामाजिक सुरक्षा से जुड़े विषय शामिल रहे।

अधिकारियों को दिए स्पष्ट निर्देश

अंकित सोनी ने कहा कि जनसुनवाई का मूल उद्देश्य हर आवेदक की बात को धैर्यपूर्वक सुनकर उसे न्याय दिलाना है। गुना पुलिस जनता की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी निष्ठा व संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इन अधिकारियों की रही मौजूदगी

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर, डीएसपी मुख्यालय जमील उद्दीन सिद्दिकी, एसडीओपी राघौगढ़ दीपा डोडवे, एसडीओपी चांचौड़ा मनोज कुमार झा मौजूद रहे। साथ ही परिवीक्षाधीन डीएसपी और थाना प्रभारी राघौगढ़ आनंद कुमार राय, केंट थाना प्रभारी अनूप कुमार भार्गव, महिला थाना प्रभारी फिरदोस तवस्सुम, म्याना थाना प्रभारी रविन्द्र सिंह सिकरवार, कुम्भराज थाना प्रभारी पंकज त्यागी, मृगवास थाना प्रभारी गोपाल चौबे, आरोन थाना इंचार्ज पंकज कुशवाह और शिकायत शाखा प्रभारी शिखा दांतरे सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में सुनी गईं 160 आवेदकों की समस्याएं, मौके पर ही दी गई आर्थिक सहायता

गुना। शासन के निर्देशानुसार मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने जिले भर से पहुंचे आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनके त्वरित व न्यायोचित समाधान के निर्देश दिए। आज आयोजित इस जनसुनवाई में नागरिकों द्वारा सीमांकन, बिजली बिल, पेंशन योजना, नगरपालिका संबंधी शिकायतों, स्वास्थ्य सेवाओं और नामांतरण जैसे विषयों से संबंधित कुल 160 आवेदन प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की पहल पर जनसुनवाई में आने वाले लोगों को मौके पर ही आधार कार्ड और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के विशेष प्रबंध किए गए थे। इसी क्रम में आज स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर लगाकर 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। इसके साथ ही शिविर में नेत्र परीक्षण, एचआईवी जांच और अन्य स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधाएं प्रदान की गईं, जिनका बड़ी संख्या में आवेदकों ने लाभ उठाया। जनसुनवाई के दौरान मानवीय संवेदनशीलता का उदाहरण भी देखने को मिला। चांचौड़ा तहसील के ग्राम ग्रादेर निवासी संदीप मीना ने अपने उपचार के लिए और हड्डी मील निवासी कालू खान ने अपनी कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण सहायता की गुहार लगाई। कलेक्टर कन्याल ने दोनों आवेदनों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए तत्काल कार्यवाही की और रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से दोनों जरूरतमंदों को 05-05 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि के चेक प्रदान किए। जनसुनवाई के दौरान प्रशासनिक तंत्र की सक्रियता बनी रही। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अखिलेश जैन, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक दुबे,

एसडीएम शिवानी पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर महिमा चौधरी सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने विभाग से संबंधित शिकायतों को प्राप्त कर उनके निराकरण की समय-सीमा तय की।

मिक्स जेंडर क्रिकेट टूर्नामेंट में गुना टाइटन्स का शानदार प्रदर्शन

गुना। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित राज्य स्तरीय समावेशी कप (मिक्स जेंडर क्रिकेट टूर्नामेंट) में गुना जिले की टीम 'गुना टाइटन्स' ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की है।

मध्यप्रदेश स्तर पर सिनर्जी संस्थान और जिला स्तर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से आयोजित इस अभिनव टूर्नामेंट में बालकों और बालिकाओं ने एक साथ मैदान में उतरकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में कुल 8 जिलों की 184 टीमों ने हिस्सा लिया था। गुना में आयोजित जिला स्तरीय स्पर्धा की 12 टीमों में से उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर गुना टाइटन्स का चयन राज्य स्तरीय मुकाबले के लिए किया गया था। हरदा में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें गुना टाइटन्स ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए सीरीज में उपविजेता का खिताब अपने नाम किया।

टीम में 8 बालिकाओं और 5 बालकों की सहभागिता रही, जिन्होंने समावेशी खेल भावना का अनूठा उदाहरण पेश किया। सामूहिक सफलता के साथ-साथ गुना के खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत उपलब्धियां भी हासिल कीं। टीम के खिलाड़ियों को 'बेस्ट प्लेयर ऑफ द सीरीज' और 'बेस्ट फील्डर ऑफ द सीरीज' जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया। खिलाड़ियों की इस गौरवशाली उपलब्धि पर कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने विजेता टीम को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास दिनेश चंदेल सहित अन्य खिलाड़ी उपस्थित रहे।

यह जीत न केवल गुना जिले के लिए गर्व का विषय है, बल्कि खेलों के माध्यम से समाज में लैंगिक समानता के संदेश को सशक्त करने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम साबित हुई है।

स्कूली बच्चों ने जाना प्रकृति का महत्व

गुना। वन विभाग के बमौरी वन परिक्षेत्र द्वारा हर साल की तरह इस वर्ष भी स्कूली बच्चों के लिए अनुभूति शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय, कॉलोनी के लगभग 120 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रकृति के करीब रहकर पर्यावरण संरक्षण का पाठ पढ़ा। शिविर की शुरूआत सुबह 7 बजे हुई, जो शाम 5 बजे तक जारी रही। इस दौरान वन अधिकारियों और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में बच्चों को वन परिक्षेत्र का भ्रमण कराया गया। बच्चों को जंगलों में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे, औषधीय वनस्पतियों, जंगली पशु-पक्षियों और जीव-जंतुओं की जानकारी दी गई।

प्रशासन की 'तानाशाही' के खिलाफ हम्माल-तुलावटी संघ का हल्लाबोल

गुना। अपनी लंबित मांगों को लेकर कृषि उपज मंडी के हम्माल और तुलावटी संघ ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को संघ के सदस्यों ने मंडी प्रशासन पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की और मंडी सचिव के नाम एक ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे अपनी जायज मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे मजदूरों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

हम्माल-तुलावटी संघ के अध्यक्ष हरवीर सिंह कुशवाह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में मंडी दफ्तर के बाहर जुटे श्रमिकों ने बताया कि इससे पहले 23 नवंबर को भी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया था। उस समय प्रशासन ने आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक केवल एक ही मांग का निराकरण हो सका है, जबकि 5 प्रमुख मांगें अब भी अधूरी हैं। संघ ने इस बार अपनी 4 सूत्रीय मांगों को प्रमुखता से दोहराया है, जिसमें सबसे अहम मांग हम्माल-तुलावटियों के पुलिस वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को निरस्त करने की है। श्रमिकों का तर्क है कि वेरिफिकेशन की यह अनिवार्य कार्रवाई उन्हें अनावश्यक रूप से परेशान करने वाली है। ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने मंडी सचिव से आग्रह किया है कि पूर्व में हुई बैठकों और समझौतों के आधार पर उनकी सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। इस मौके पर संघ के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में हम्माल और तुलावटी मौजूद रहे।

शेरपुर में सांड और अस्पताल में चोरों का आतंक

गुना। जिले के खैरीखता पंचायत अंतर्गत शेरपुर गांव में इन दिनों एक आवारा सांड का आतंक ग्रामीणों के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है। सांड न केवल फसलों को बर्बाद कर रहा है, बल्कि इंसानों पर भी जानलेवा हमला कर रहा है। ताजा मामले में शेरपुर निवासी किसान विजय सिंह शिकारी सांड के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। विजय सिंह ने बताया कि वह अपनी सरसों की फसल को सांड से बचाने की कोशिश कर रहे थे, तभी सांड ने उन पर हमला बोल दिया। इस हमले में किसान का पैर फैक्चर हो गया है। ग्रामीणों की स्थिति यह है कि सांड को देखते ही लोग अपनी जान बचाने के लिए बड़े वाहनों की छत पर चढ़ने को मजबूर हो जाते हैं। सांड के इस खौफ के कारण पूरे गांव में हड़कंप की स्थिति है। विडंबना यह है कि सांड के हमले से घायल होकर जब विजय सिंह इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे, तो वहां भी नियति ने उनका साथ नहीं दिया। अस्पताल में भर्ती होने के बाद मंगलवार सुबह चोरों ने उनका मोबाइल पार कर दिया। किसान पहले से ही सांड के हमले के जख्म और पैर टूटने के दर्द से जूझ रहा था, वहीं दूसरी ओर अस्पताल में हुई चोरी की इस घटना ने उसे बुरी तरह हताश कर दिया है।

रबी फसलों के कीट प्रबंधन पर दिया गया प्रशिक्षण

गुना। कृषि विज्ञान केन्द्र आरोन द्वारा रबी फसलों में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय अन्त:सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गुना जिले के कृषि विभाग के विभिन्न कर्मचारियों ने सहभागिता की, जिसका मुख्य उद्देश्य रबी सीजन की फसलों को कीटों और रोगों से बचाने की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराना था। प्रशिक्षण के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. धवेन्द्र सिंह ने जैविक खेती के व्यापक प्रचार-प्रसार और फसल विविधता से होने वाले लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए निरंतर जागरूक करें। कीट एवं रोग प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. अमित कुमार ने प्रजेंटेशन के माध्यम से रबी फसलों, विशेषकर धनिया और चना में लगने वाले कीटों और रोगों की पहचान एवं उनके वैज्ञानिक समाधान की जानकारी दी। मंच संचालन वरुण प्रताप सिंह जादौन द्वारा किया गया, जबकि प्रजेंटेशन और तकनीकी प्रस्तुतिकरण का प्रबंधन मोहम्मद आरिफ खान ने संभाला। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कृषि विभाग के अमले को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है।

पाटन के पटवारी गोविंद ठाकुर को लापरवाही बरतने पर किया निलंबित

गुना। पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही और शासकीय कार्यों के प्रति उदासीनता बरतने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राघौगढ़ अमित सोनी द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई है। तहसीलदार मकसूदनगढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर तहसील मकसूदनगढ़ के पटवारी हल्का क्रमांक 08 ग्राम पाटन में पदस्थ पटवारी गोविंद ठाकुर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जांच प्रतिवेदन में पाया गया कि गोविंद ठाकुर बिना किसी पूर्व सूचना के अपने कर्तव्यों से लगातार अनुपस्थित रह रहे थे और उनके द्वारा भू-राजस्व एवं डायवर्सन अर्थदंड की वसूली का कार्य भी शून्य रहा। इसके अतिरिक्त अन्य राजस्व एवं शासकीय कार्यों में रुचि न लेने तथा शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में अपेक्षित सहयोग न किए जाने को घोर लापरवाही और स्वेच्छाचारिता की श्रेणी में माना गया है।

न बिजली, न खंभा, फिर भी टांग दिए स्मार्ट मीटर, सोजना गांव में बिजली कंपनी का अजीबोगरीब कारनामा

गुना। विनायकखेड़ी पंचायत के सोजना गांव में सरकारी तंत्र की एक बेहद अजीबोगरीब और लापरवाही भरी तस्वीर सामने आई है। यहाँ बिजली विभाग के कर्मचारियों ने गांव में बिना बिजली, खंभे या डीपी के ही घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर लगा दिए हैं।

हैरानी की बात यह है कि एक ओर विभाग के अधिकारी यह कह रहे हैं कि गांव में बिजली का इन्फ्रास्ट्रक्चर साल 2026 तक तैयार होगा, वहीं दूसरी ओर बुनियादी सुविधाओं के अभाव में ही मीटर लगा दिए गए। जब ग्रामीणों ने इस कार्रवाई का विरोध किया, तो कर्मचारियों ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्हें ऊपर से आदेश है। सोजना गांव के क्रेशर के पास रहने वाले ये ग्रामीण अपनी फरियाद लेकर कलेक्टर के पास पहुंचे और दावा किया कि वे अब तक चार से पांच बार जनसुनवाई में आवेदन दे चुके हैं, लेकिन उनकी समस्या जस की तस बनी हुई है। यह बस्ती पहले भी गंदे पानी की समस्या के कारण चर्चा में रही थी, जिसके बाद विधायक पन्नालाल शाक्य ने यहां का दौरा कर हैंडपंप तो लगवा दिया था, लेकिन बिजली की समस्या अब भी बरकरार है। वर्तमान में ग्रामीण काफी दूर से तार डालकर बिजली का उपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वोल्टेज इतना कम होता है कि कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण काम नहीं कर पा रहा है। कलेक्टर को दिए गए आवेदन में ग्रामीणों ने मांग की है कि गांव में जल्द से जल्द खंभे लगवाकर डीपी रखी जाए ताकि स्थाई बिजली मिल सके। साथ ही, ग्रामीणों ने स्मार्ट मीटर की जगह डिजिटल मीटर लगाने की भी मांग उठाई है। ग्रामीणों का कहना है कि जब गांव में बिजली की लाइन ही नहीं खींची गई है, तो मीटर लगाकर उन पर भविष्य का आर्थिक बोझ डालना अनुचित है। फिलहाल, बिना बिजली के घरों की दीवारों पर टंगे ये 'स्मार्ट मीटर' व्यवस्था पर बड़ा सवालिया निशान खड़े कर रहे हैं।

मॉडल स्कूलों में प्रवेश के लिए आवेदन की तिथि बढ़ी

गुना। जिला स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालयों और विकासखंड स्तरीय मॉडल स्कूलों की कक्षा 9वीं में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। सत्र 2026-27 के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि अब बढ़ा दी गई है। प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय एचएन जाटव ने जानकारी देते हुए बताया कि पहले यह तिथि 16 जनवरी निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 28 जनवरी 2026 कर दिया गया है। जो छात्र इन विद्यालयों में प्रवेश लेना चाहते हैं, वे अब 28 जनवरी तक अपना ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं।

अद्भुत संगम हापुड़ के पी .आर . ठाकुर और राजकोट के प्रशांत का उज्जैन तक मिला साथ

अनोखा संगम : महाकाल की शरण में दो संकल्प

गुना। धर्म और आस्था की नगरी उज्जैन की ओर बढ़ रहे दो अलग-अलग राज्यों के श्रद्धालुओं का गुना में एक अद्भुत संगम देखने को मिला। उत्तर प्रदेश के हापुड़ से आए पी.आर. ठाकुर और गुजरात के राजकोट से निकले प्रशांत साकरिया का उद्देश्य गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाना है और अब दोनों की मंजिल भी एक ही नजर आ रही है। अब ये दोनों यात्री महाकालेश्वर मंदिर तक की अपनी शेष यात्रा एक साथ पूरी करने के लिए गुना से होते हुए आगे बढ़ गए हैं।

उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के निवासी पी.आर. ठाकुर हरिद्वार से उज्जैन तक की 1100 किलोमीटर की पैदल यात्रा पर हैं। उनकी विशेषता यह है कि वे अपने साथ 51 लीटर गंगाजल लेकर चल रहे हैं, जिसे वे भगवान महाकाल को अर्पित करेंगे। ठाकुर गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की प्रार्थना भगवान महाकालेश्वर से करने जा रहे हैं। वे अब तक 850 किलोमीटर का सफर तय कर चुके हैं। ठाकुर प्रतिदिन 15 से 20 किलोमीटर पैदल चलते हैं। इससे पहले वे 141 लीटर गंगाजल के साथ भी ऐसी कठिन यात्रा कर चुके हैं। उनके साथ उनके कुछ सहयोगी भी इस पुनीत कार्य में मदद कर रहे हैं। वहीं गुजरात के राजकोट निवासी प्रशांत साकरिया की यात्रा अत्यंत विशाल है। वे देश के 51 शक्तिपीठों के दर्शन के संकल्प के साथ निकले हैं। उनकी यात्रा की शुरुआत 12 अक्टूबर 2025 से हुई है। प्रशांत की यह यात्रा 2 साल तक चलेगी, जिसमें वे 15 हजार किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करेंगे। मध्य प्रदेश उनका 10वां राज्य है और वे अब तक 3300 किलोमीटर से अधिक पैदल चल चुके हैं। साकरिया सभी शक्तिपीठ पर पहुंचकर गौमाता को राष्ट्र माता का सम्मान और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की प्रार्थना कर रहे हैं। जब दोनों श्रद्धालु अपने साथियों के साथ गुना पहुंचे, तो स्थानीय गौ-सेवकों और धर्मप्रेमियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। फूल-मालाओं और जयकारों के साथ उनकी हौसला अफजाई की गई। वर्तमान में दोनों यात्री उज्जैन की ओर साथ-साथ आगे बढ़ रहे हैं और रास्ते में उन्हें आम जनमानस का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है।